>

Title: Need to ensure participation of farmers in industries whose lands have been acquired for setting up of industries in Bharuch Parliamentary Constituency, Gujarat.

श्री मनसुखभाई डी. वसावा (भरूच): देश में खेती बाड़ी वाली भूमि पर उद्योग लगाये जा रहे हैं। भूमि अधिग्रहण के अंतर्गत किसानों की जमीन जन सुविधा के नाम पर ली जाती है और उसी जमीन को उद्योगपतियों को आवंटित की जाती है। नियमानुसार उद्योग को बंजर भूमि पर एवं कम से कम भूमि में लगाना चाहिए जिससे खाद्यान्न उत्पादन पैदा करने वाली भूमि का क्षेत्र कम न हो सके। उपजाऊ भूमि पर उद्योग लगने से कृषि भूमि का क्षेत्र कम हो रहा है और जमीन से वंचित होने पर किसान बेरोजगार हो रहे हैं और किसानों को विस्थापित किया जा रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र भरूच में कई किसानों की जमीन उद्योग धंधों के लिए कई सालों से ली जा रही है और किसान विस्थापित एवं बेरोजगार हुए हैं। किसानों की जमीन लेने के बाद उद्योग धंधों में इन किसानों को नौकरी भी नहीं दी जाती है और सरकारी मुआवजा बाजार मूल्य से बहुत ही कम होता है।

सरकार से अनुरोध है कि जब भी किसानों की जमीन उद्योग धंधों के लिए एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए ली जाए उनमें किसानों को उद्योगों में भागीदारी मिले जिससे किसान के परिवार का लालन पालन हो सके।